कब्रिस्तानों की घेराबंदी

1. डॉ०अच्युतानन्द-- क्या मंत्री, गृह (विशेष) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में 8064 कब्रिस्तानों की घेराबन्दी की सूची वर्ष 2008 में ही तैयार की गयी थी;

(2) क्या यह बात सही है कि वर्ष 2010 अक्टूबर तक मात्र 1872 कब्रिस्तानों की घेराबंदी की गयी है और 1326 में घेराबंदी का काम जारी है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार शेष कब्रिस्तानों की घेराबंदी पूरा करने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पुलिस-पब्लिक का अनुपात

2. डॉ० इजहार अहमद--स्थानीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र में दिनांक 16 मई, 2010 को प्रकाशित शीर्षक "सूबे में एक लाख की आबादी पर महज 69 पुलिस कर्मी" को ध्यान में रखते हुए, क्या मंत्री, गृह (आरक्षी) विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि एक लाख की आबादी पर पुलिस कर्मी की संख्या 69 है, जबकि राष्ट्रीय औसत प्रति एक लाख की आबादी पर 120 पुलिस कर्मियों की है;

(2) क्या यह बात सही है कि बिहार में 45,103 राजस्व गांव में पुलिस बल की संख्या 44 हजार है हर एक गांव पर एक पुलिस कर्मी भी नहीं है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जनहित में लोगों की सुरक्षा हेतु बिहार में पुलिस-पब्लिक का अनुपात राष्ट्रीय औसत में लाने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

क्षमता को बढ़ाना

3. डॉ०अच्युतानन्द-- क्या मंत्री, कारा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में पिछले चार वर्षों में 42 हजार 960 अपराधियों की सजा मिली है;

(2) क्या यह बात सही है कि राज्य के छः केन्द्रीय कारागारों, 33 मंडल कारा और 16 उप-काराओं में वर्तमान में मात्र 31 हजार 820 कैदियों के ही रखने की क्षमता है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्य में कारागारों में कैदियों को रखने की क्षमता को बढ़ाने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पटना:
दिनांक 6 दिसम्बर, 2010 (ई०) ।

सुरेन्द्र प्रसाद शर्मा,
सचिव,
बिहार विधान-सभा।

बि० स० मु० (एल० ए०)- 82 डी० टी० पी०-450